an>

Title: Need to rehabilitate the villages endangered due to river erosion.

श्री भरत सिंह (बलिया) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। बलिया जो कि उत्तर प्रदेश और बिहार का जंक्शन है, जहाँ लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जन्म हुआ था, वह ऐतिहासिक जगह आज खतरे में है। मैंने कई बार इस सवाल की ओर सरकार का ध्यान आकर्Âिात किया कि बिहार का लाला टोला माननीय कौशल विकास मंत्री राजीव प्रताप रूडी जी के क्षेत्र का है। हमारे जनार्दन सीग्रीवाल जी और बाबू आर.के.सिंह, पूर्व गृह सचिव का यह क्षेत्र है और हमारा भी यह जॉइंट क्षेत्र है। यह कट रहा है। लाला टोला कट गया, इब्राहिमाबाद, नबसर के हज़ारों घर गंगा और घाघरा में विलीन हो गए। गंगा नदी में शेरपुर, सेमरा, जगदीशपुर, बुसौला, गड़रिया, नरदा कट चुका है। लोग सड़कों पर आ गए हैं। उनके पास लाइट नहीं है, उनके पास रहने का आसरा नहीं है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि भारत सरकार इसमें इंटरस्ट ले। मैं चाहता हूँ कि अध्यक्ष जी व्यवस्था दें कि भारत सरकार के कृÂिा मंत्री जी की तरफ से इसके समाधान के बारे में बताया जाए। यह काम अगर तत्काल चालू नहीं किया गया तो ये गाँव नहीं बचेगा। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह आपके क्षेत्र का है तो आप भी सहयोग कर दीजिए।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): महोदया, यह विÂाय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह जयप्रकाश नगर बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच अवस्थित है। इसमें सारण संसदीय क्षेत्र, आरा संसदीय क्षेत्र है। इसमें कठिनाई यह है कि यह गांव नदी के प्रवाह से कटता जा रहा है। यह दो प्रांतों का मामला है।

महोदया, मैं गृह मंत्रालय से निवेदन करता हूं कि इस पूरे विÂाय पर एक समिति का गठन गृह मंत्रालय के माध्यम से किया जाए। जयप्रकाश नगर, जो उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों राज्यों में अवस्थित है, वहां हो रहे कटाव को रोकने के लिए समिति का गठन करने का आग्रह मैं सरकार और गृह मंत्रालय दोनों से करूंगा, ताकि इस पूरे विÂाय का अध्ययन करके, इस कटाव के कारण जो बिहार और उत्तर प्रदेश में हजारों लोग विस्थापित हो रहे हैं, इस पर हम कार्रवाई कर सकें। इसके लिए मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करता हूं।

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 14.15 hours.

13.16 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fifteen Minutes past

Fourteen of the Clock.